हम कई जाणा सिपाही संत सिंगाजी भजन लिरिक्स

हम कई जाणा सिपाही संत,
कई जाणा सिपाही संत,
वो निकल्या बड़ा गुणवंत,
कई जाणा सिपाही संत।bd।

कोई कहे भाई युक्ति जाणे,
मार दिया कोई मंत्र,
कई जाणा सिपाही संत,
हम कईं जाणा सिपाही संत।bd।

कोई कहे ये ध्यान करत है,
बैठचो है कोई संत,
कई जाणा सिपाही संत,
हम कईं जाणा सिपाही संत।bd।

नगर मेटावल कहे राणा से,
तम सिखलीजो कोई मंत्र,
कई जाणा सिपाही संत,
हम कईं जाणा सिपाही संत।bd।

हम कई जाणा सिपाही संत,
कई जाणा सिपाही संत,
वो निकल्या बड़ा गुणवंत,
कई जाणा सिपाही संत।bd।

प्रेषक – घनश्याम बागवान।
सिद्दीकगंज 7879338198

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com